टॉपर हल* प्रश्न-पत्र	सी.बी.एस.ई. 2020 कक्षा–X Delhi / Outside Delhi Sets	हिन्दी 'अ'

समय : 3 घण्टे] **[अधिकतम अंक : 80**

***नोट :** यह प्रश्न पत्र केवल संदर्भ हेतु प्रेषित है। सत्र 2022-23 के लिए पाठ्यक्रम में बोर्ड द्वारा संशोधन किया गया है।

निर्देश : निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका अनुपालन कीजिए।

(1) प्रश्न-पत्र **चार** खण्डों में विभाजित किया गया है—क, ख, ग एवं घ। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(2) **खण्ड क** में प्रश्न अपठित गद्यांश पर आधारित हैं।

(3) **खण्ड ख** में प्रश्न संख्या 2 से 5 तक प्रश्न व्याकरण के हैं।

(4) **खंड ग** में प्रश्न संख्या 6 से 10 तक प्रश्न पाठ्यपुस्तकों से हैं।

(5) **खंड घ** में प्रश्न संख्या 11 से 13 तक प्रश्न रचनात्मक लेखन के हैं।

(6) यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

(7) उत्तर संक्षिप्त तथा क्रमिक होना चाहिए और साथ ही दी गई शब्द-सीमा का यथासम्भव अनुपालन कीजिए।

(8) प्रश्न-पत्र में समग्र पर कोई विकल्प नहीं है। तथापि एक-एक अंकों वाले 1 प्रश्न में, दो-दो अंकों वाले 2 प्रश्नों में, तीन अंकों वाले 1 प्रश्न में, पाँच-पाँच अंकों वाले दोनों प्रश्नों में और दस अंक वाले 1 प्रश्न में आन्तरिक विकल्प दिए गए हैं। पूछे गए प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए सही विकल्प का ध्यान रखिए।

(9) इनके अतिरिक्त, आवश्यकतानुसार, प्रत्येक खण्ड और प्रश्न के साथ यथोचित निर्देश दिए गए हैं।

Delhi Set I **Code No. 3/2/3**

खण्ड–'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: **10**

पड़ोस सामाजिक जीवन के ताने-बाने का महत्त्वपूर्ण आधार है। दरअसल पड़ोस जितना स्वाभाविक है, हमारी सामाजिक सुरक्षा के लिए तथा सामाजिक जीवन की समस्त आनन्दपूर्ण गतिविधियों के लिए वह उतना ही आवश्यक भी है। यह सच है कि पड़ोसी का चुनाव हमारे हाथ में नहीं होता, इसलिए पड़ोसी के साथ कुछ-न-कुछ सामंजस्य तो बिठाना ही पड़ता है। हमारा पड़ोसी अमीर हो या गरीब, उसके साथ सम्बन्ध रखना सदैव हमारे हित में होता है। पड़ोसी से परहेज करना अथवा उससे कटे-कटे रहने में अपनी ही हानि है, क्योंकि किसी भी आकस्मिक आपदा अथवा आवश्यकता के समय अपने रिश्तेदारों तथा परिवार वालों को बुलाने में समय लगता है। ऐसे में पड़ोसी ही सबसे अधिक विश्वस्त सहायक हो सकता है। पड़ोसी चाहे कैसा भी हो, उससे अच्छे सम्बन्ध रखने चाहिए। जो अपने पड़ोसी से प्यार नहीं कर सकता, उससे सहानुभूति नहीं रख सकता, उसके साथ सुख-दुख का आदान-प्रदान नहीं कर सकता तथा उसके शोक और आनन्द के क्षणों में शामिल नहीं हो सकता, वह भला अपने समाज अथवा देश के साथ भावनात्मक रूप से कैसे जुड़ेगा। विश्व-बन्धुत्व की बात भी तभी मायने रखती है, जब हम अपने पड़ोसी से निभाना सीखें।

(क) सामाजिक जीवन में पड़ोस का क्या महत्त्व है? **2**

(ख) पड़ोसी के साथ सम्बन्ध रखना हमारे हित में किस तरह से है? **2**

(ग) हमें पड़ोसी से निभाने के लिए क्या-क्या करना चाहिए? **2**

(घ) 'विश्वस्त सहायक' से क्या अभिप्राय है? पड़ोसी को विश्वस्त सहायक क्यों कहा गया है? **2**

(ङ) लेखक ने विश्व-बन्धुत्व की बात किस सन्दर्भ में की है? **1**

(च) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए। **1**

To know about more useful books *click here*

उत्तर—

(क) सामाजिक सुरक्षा एवं सामाजिक जीवन की समस्त आनंदपूर्ण गतिविधियों को बनाए रखने में पड़ोस का महत्व है। पड़ोस सामाजिक जीवन के ताने-बाने का संपूर्ण महत्वपूर्ण आधार है।

(ख) पड़ोसी के साथ संबंध रखना हमारे हित में इस तरह है कि किसी भी अचानक आकस्मिक आपदा अथवा आवश्यकता के समय रिश्तेदारों को बुलाने में समय लगता है परंतु पड़ोसियों को बुलाने एवं मदद लेने में समय नहीं लगता।

(ग) पड़ोसी से निभाने के लिए हमें पड़ोसियों से प्यार करना चाहिए, उनसे सहानुभूति रखनी चाहिए, सुख-दुख का आदान-प्रदान करना चाहिए तथा उसके शोक व आनंद के क्षणों में सम्मिलित होना चाहिए।

(घ) 'विश्वस्त सहायक' से अभिप्राय है एक ऐसे सहायक जिन पर विश्वास किया जा सके।
पड़ोसी को विश्वस्त सहायक इसलिए कहा गया है क्योंकि किसी भी आकस्मिक आपदा के समय हम सिर्फ पड़ोसियों पर ही भरोसा कर सकते हैं और उनसे मदद ले सकते हैं क्योंकि ऐसे समय में किसी अनजान व्यक्ति से मदद की पुकार करना सही नहीं है।

(ङ) विश्व-बंधुत्व की बात लेखक ने इसलिए कही है क्योंकि जो लोग अपने पड़ोसियों से भाईचारा ही मधुर एवं एकता के संबंध नहीं रख सकते वह लोग विश्व एकता, एवं शांति को भी नहीं रख सकते।

(च) पड़ोस का महत्व

खण्ड–'ख'

2. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए— $1 \times 4 = 4$

(क) जादूगर का जादू देखकर दर्शक दंग रह गए। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ख) नवाब साहब ने तौलिया झाड़ा और सामने बिछा लिया। (सरल वाक्य में बदलिए)

(ग) खीरे के स्वाद के आनन्द में नवाब साहब की पलकें मुँद आईं। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(घ) मैं नहीं जानता कि इस संन्यासी ने कभी क्या सोचा था। (रेखांकित उपवाक्य का भेद लिखिए)

उत्तर—

(क) दर्शकों ने जादूगर का जादू देखा और दंग रह गए।

(ख) नवाब साहब ने तौलिया झाड़कर सामने बिछा लिया।

(ग) जैसे ही नवाब साहब ने खीरे का स्वाद लिया वैसी ही उसके आनंद में पलकें मूँद आईं।

(घ) संज्ञा आश्रित उपवाक्य

3. निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए— $1 \times 4 = 4$

(क) बस की खिड़की से न झाँकें। (भाववाच्य में बदलिए)

(ख) धर्मगुरु ने कामिल बुल्के की बात मान ली। (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ग) तुम पढ़ क्यों नहीं सकते? (कर्मवाच्य में बदलिए)

(घ) उससे उठा-बैठा नहीं जाता। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

To know about more useful books *click here*

उत्तर—

(क) बस की खिड़की से न झाँका जाए।

(ख) धर्मगुरु के द्वारा कामिल बुल्के की बात मान ली गई।

(ग) तुमसे द्वारा पढ़ा क्यों नहीं जाता?

(घ) वह उठ-बैठ नहीं सकता।

4. **निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए—** $1 \times 4 = 4$

(क) पानवाला नया पान खा रहा था।

(ख) यह साइकिल मेरे बड़े भाई की है।

(ग) माँ की याद आती है।

(घ) मधुर गान तो सदा ही सुनने को मिलते।

उत्तर— (क) नया :→ गुणवाचक विशेषण

→ एकवचन

→ पुल्लिंग

→ विशेष्य 'पान' की विशेषता बताता है

(ख) यह : → सार्वनामिक विशेषण

→ एकवचन

→ विशेष्य 'साइकिल' की विशेषता बताता है

→ ~~पुल्लिंग~~

(ग) माँ की : → जातिवाचक संज्ञा

→ स्त्रीलिंग

→ एकवचन

→ संबंध कारक ~~→ साथ क्रिया का कर्म~~

(घ) सदा ही : → कालवाचक क्रियाविशेषण

→ 'सुनने' क्रिया की विशेषता बताता है।

5. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर लिखिए—** $1 \times 4 = 4$

(क) निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में रस पहचानकर लिखिए—

हाथी जैसी देह है, गैंडे जैसी खाल

तरबूजे-सी खोपड़ी, खरबूजे से गाल।

(ख) 'अद्भुत रस' का एक उदाहरण लिखिए।

(ग) 'उत्साह' किस रस का स्थायी भाव है?

(घ) विभाव किसे कहते हैं?

(ङ) हास्य रस का स्थायी भाव क्या है?

उत्तर—

(क) हास्य रस

(ख) एक अचंभा देखो रे भाई!
ठाढे सिंह चरावै गाय
पहले पूत पीछे माई
चेला के गुरु लागै पाई।

(ग) वीर रस

(ङ) हास

To know about more useful books *click here*

खण्ड–'ग'

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर 30-40 शब्दों में लिखिए— 2 × 4 = 8

(क) 'पानवाला एक हँसमुख स्वभाव वाला व्यक्ति है, परन्तु उसके हृदय में संवेदना भी है।' इस कथन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(ख) गर्मियों की उमस भरी शाम को भी बालगोबिन भगत किस प्रकार शीतल और मनमोहक बना देते थे?

(ग) फादर बुल्के की मृत्यु से लेखक आहत क्यों था?

(घ) मन्नू भण्डारी के पिता ने अपनी आर्थिक विवशताएँ कभी बच्चों को क्यों नहीं बताई होंगी?

(ङ) बिस्मिल्ला खाँ जीवनभर ईश्वर से क्या माँगते रहे और क्यों? इससे उनकी किस विशेषता का पता चलता है?

उत्तर—

खंड-ग

(क) पानवाला हंसमुख स्वभाव व्यक्ति था क्योंकि जब हालदार साहब ने उससे मूर्ति पर लगे चश्मे के बारे में पूछा तो वह आँखों ही आँखों में हँसा, उसका पेट हिला और उसने अपना पान थूककर हालदार साहब को जवाब दिया और उसने हालदार साहब द्वारा कैप्टन के बारे में पूछे गए हर सवाल का एक मजाकिया तरीके से जवाब दिया, परन्तु जब हालदार साहब ने मूर्ति पर चश्मा ना होने का आश्चर्य जताया तो पानवाले की आँखों में आँसू आए और उसने हालदार साहब को कैप्टन की मृत्यु के बारे में बताया और उदास हो गया इससे प्रतीत होता है कि उसके हृदय में संवेदना थी।

(ख) गर्मियों की उमस भरी शाम बालगोबिन भगत द्वारा गाए जाने वाले मधुर गीत एवं उनका उन गीतों पर मुग्ध होकर नाचने लगना एवं सभी अन्य लोगों का उस उनका साथ देना एवं उन्हीं की तरह गीतों में लीन हो जाना शाम को शीतल एवं मनमोहक बना देता था।

(ग) फादर बुल्के की मृत्यु पर लेखक को आहत इसलिए हुई क्योंकि फादर का निधन जहरबाद से हुआ जो कि एक गंभीर बीमारी है। लेखक का कहना यह था कि जिस व्यक्ति की रगों में अमृत दौड़ता हो, जो व्यक्ति इतना विनम्र, मीठा बोलने वाला हो, सबको इतना स्नेह करने वाला हो उसे जहरबाद जैसी गंभीर बीमारी से नहीं मरना चाहिए था।

(ङ) बिस्मिल्ला खाँ ईश्वर से सुर माँगते थे। उनकी हमेशा यही दुआ रहती थी कि अल्लाह उन्हें मीठा सुर बख्शें। वह ऐसा इसलिए माँगते थे क्योंकि उनका मानना यह था कि वह अब भी शहनाई उतनी अच्छी नहीं बजाते और वह चाहते थे कि उनका सुर व शहनाई वादन इतना मीठा हो कि सुनने वालों की आँखों से आँसू आ जाएँ।

इससे यह पता चलता है कि बिस्मिल्ला खाँ एक बहुत ही सीधे व सरल व्यक्ति थे जो अपनी कला के प्रति पूर्णरूप से समर्पित थे एवं अपनी कला को बेहतर बनाने के लिए निरंतर अभ्यास करते थे एवं दुआ करते थे।

7. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए— 2 × 3 = 6

मुफ़स्सिल की पैसेंजर ट्रेन चल पड़ने की उतावली में फूँकार रही थी। आराम से सेकण्ड क्लास में जाने के लिए दाम अधिक लगते हैं। दूर तो जाना नहीं था। भीड़ से बचकर, एकान्त में नयी कहानी के सम्बन्ध में सोच सकने और खिड़की से प्राकृतिक दृश्य देख सकने के लिए टिकट सेकण्ड का ही ले लिया

गाड़ी छूट रही थी। सेकण्ड क्लास के एक छोटे डिब्बे को खाली समझकर, जरा दौड़कर उसमें चढ़ गए। अनुमान के प्रतिकूल डिब्बा निर्जन नहीं था। एक बर्थ पर लखनऊ की नवाबी नस्ल के एक सफ़ेदपोश सज्जन बहुत सुविधा से पालथी मारे बैठे थे। सामने दो ताजे-चिकने खीरे तौलिए पर रखे थे। डिब्बे में हमारे सहसा कूद जाने से सज्जन की आँखों में एकान्त चिन्तन में विघ्न का असन्तोष दिखाई दिया। सोचा, हो सकता है, यह भी कहानी के लिए सूझ की चिन्ता में हों या खीरे-जैसी अपदार्थ वस्तु का शौक करते देखे जाने के संकोच में हों।

To know about more useful books *click here*

(क) लेखक ने सेकण्ड क्लास का टिकट क्यों खरीदा?

(ख) लेखक ने जिस अनुमान के लिए सेकण्ड का टिकट खरीदा था, वह गलत कैसे निकला?

(ग) डिब्बे में बैठे सज्जन ने लेखक के आने पर क्या प्रतिक्रिया व्यक्त की और लेखक ने उनके व्यवहार से क्या अनुमान लगाया?

उत्तर— (क) लेखक ने सेकंड क्लास का टिकट इसलिए खरीदा क्योंकि उन्हें भीड़ से बचकर एकांत में अपनी कहानी के संबंध में कुछ सोचना था और उन्हें ज्यादा दूर भी नहीं जाना था। तथा उन्हें खिड़की से प्राकृतिक दृश्यों का आनंद भी लेना था।

(ख) लेखक को लगा कि सेकंड क्लास का डिब्बा निर्जन होगा और वह अकेले ही सफर करते हुए जाएँगे परंतु ऐसा नहीं था क्योंकि डिब्बे में पहले से ही एक सफेदपोश सज्जन बैठा हुआ था।

(क) लेखक ने सेकंड क्लास का टिकट इसलिए खरीदा क्योंकि उन्हें भीड़ से बचकर एकांत में अपनी कहानी के संबंध में कुछ सोचना था और उन्हें ज्यादा दूर भी नहीं जाना था। तथा उन्हें खिड़की से प्राकृतिक दृश्यों का आनंद भी लेना था।

(ख) लेखक को लगा कि सेकंड क्लास का डिब्बा निर्जन होगा और वह अकेले ही सफर करते हुए जाएँगे परंतु ऐसा नहीं था क्योंकि डिब्बे में पहले से ही एक सफेदपोश सज्जन बैठा हुआ था।

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए— $3 \times 2 = 6$

(क) भोलानाथ संकट के समय में अपने पिता के पास न जाकर माता के पास क्यों जाता है? 'माता का अंचल' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ख) इंग्लैंड की महारानी के हिन्दुस्तान आगमन पर अखबार क्या-क्या छाप रहे थे और रानी के आने के दिन वे चुप क्यों रह गए?

(ग) 'सेवन सिस्टर्स वाटर फॉल' को देख लेखिका ने अपनी भावनाओं को कैसे अभिव्यक्त किया है? 'साना-साना हाथ जोड़ि...' पाठ के आधार पर लिखिए।

उत्तर— (क) भोलानाथ अपने पिता के बहुत करीब थे। वह उनके साथ ही सोते थे, खाते थे, नहाते थे, खेलते थे और उनका सारा दिन उनके पिताजी के साथ ही व्यतीत होता था। उनका कहना था कि उनका उनकी माँ से सिर्फ दूध तक का ही रिश्ता है। उनकी माँ उन्हें उनके बालों में सरसों का तेल डालती, उबटन करती एवं चोटी गूँथती थीं जिससे उन्हें बहुत कष्ट होता था।
भोलानाथ ने जब साँप को देखा तो वह बहुत घबरा गए एवं गिरने के कारण लहूलुहान हो गए और दौड़कर सीधे अपनी माँ के पास चले गए और पिताजी के लाख बुलाने पर भी नहीं आए। क्योंकि भोलानाथ को कष्ट सहने के बाद अपनी माँ की गोद में शांति का अनुभव हुआ और माँ के प्यार, वात्सल्य, एवं करुणा ने उन्हें अपनी ओर खींच लिया।

(ख) इंग्लैंड की महारानी के भारत आगमन पर अखबारों में महारानी के परिधान को लेकर जो समस्या उठी उसके बारे में छापा गया, उनके यहाँ काम करने वालों, खाना बनाने वालों की पूरी जीवनीयाँ छापीं गई, महारानी की जन्मपत्री छापी गई, यहाँ तक कि उनके महल में रहने वाले कुत्तों के बारे में भी बताया गया। ऐसा लग रहा था मानो शंख इंग्लैंड में बज रहा है और सुनाई यहाँ दे रहा है। जब महारानी भारत आ रही थीं तब भारत में सबसे बड़ी विपदा यह थी कि जार्ज पंचम की लाट पर नाक नहीं है और इस विषय पर भी कई खबरें छपी थीं।

To know about more useful books *click here*

महारानी के आने के दिन सब अखबार शांत इसीलिए थे क्योंकि जार्ज पंचम की लाट पर नाक का जो मसला था वह हल हो चुका था और खबर यह थी लाट पर ज़िंदा नाक लगाई गई है जो बिल्कुल असली लगती है। सरकारी अफ़सरों ने कई प्रयास किए मूर्ति पर नाक लगवाने के यहाँ तक कि भारत देश के महान पुरुषों की नाक काटकर लगाने को भी कह दिया। उनका यह रवैया उनकी छोटी मानसिकता एवं झूठा सम्मान पाने की भावना दर्शाता है, यह दर्शाता है कि उनकी ज़हन पर देश के महान लोगों के लिए कोई सम्मान नही है। और इस रवैये से देश की प्रतिष्ठा को ठेस पहुँची थी इसलिए सभी अखबार शांत थे।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए— $2 \times 4 = 8$

(क) परशुराम विश्वामित्र से लक्ष्मण की शिकायत किन शब्दों में करते हैं?

(ख) 'छाया मत छूना' कविता में 'जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया' के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है?

(ग) 'यह दंतुरित मुस्कान' कविता में 'बाँस और बबूल' किसके प्रतीक हैं?

(घ) 'कन्यादान' कविता में माँ की सोच परम्परागत माँ से कैसे भिन्न है?

(ङ) संगतकार की आवाज में हिचक क्यों सुनाई देती है?

उत्तर— (ख) कवि 'जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया' इससे कवि यह कहना चाहते हैं कि मनुष्य जितना अपने अतीत की बातों को याद करेगा उसे उतना ही दुख होगा एवं वह जितना सम्मान, धन, प्रतिष्ठा पाने के पीछे भागेगा उतना ही भ्रमित हो जाएगा एवं अपने आज को नहीं जी पाएगा और दुख को अपनी ओर आकर्षित करेगा।

(क) परशुराम विश्वामित्र से लक्ष्मण की शिकायत इन शब्दों में करते हैं कुछ इस तरह करते हैं। वह उनसे यह कहते हैं कि विश्वामित्र! मैं इस बालक को सिर्फ तुम्हारे धैर्य के कारण ही छोड़ रहा हूँ, अगर तुम इसे समझा दो नहीं तो यह बालक मेरे हाथों मारा जाएगा। यह बालक बहुत ही कटुवादी, दुष्ट है और मैं चाहता तो इसे मार देता बस तुम्हारे शील के कारण ही रुका हूँ।

(घ) 'कन्यादान' कविता में माँ अपनी बेटी को चेहरे पर न रीझने की, अत्याचार न सहने की, आभूषणों के बंधनों में न बंधने की सीख देती है, और लड़की बनने की परंतु लड़की जैसी न दिखाई देने की सीख देती है। और मजबूत बनने को कहती है। परंपरागत माँ अपनी बेटियों को परिवार की सेवा करने की व उनका हर हाल में सम्मान करने की एवं उनके खिलाफ़ न जाने की सलाह देती हैं जो कि कविता में माँ के द्वारा दी गई सीख से भिन्न है।

(ङ) संगतकार की आवाज़ में हिचक इसलिए सुनाई देती है क्योंकि वह अपने स्वर को मुख्य गायक के स्वर से ऊपर नहीं उठाना चाहता। वह मुख्य गायक को हमेशा सँभाले रखता है एवं उसके स्वर को इधर-उधर नहीं जाने देता उसकी लय को बाँधे रखता है। और जब मुख्य गायक कहीं अटक जाता है तो उसकी मदद करता है।

10. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए— $2 \times 3 = 6$

बादल, गरजो!
घेर घेर घोर गगन, धाराधर ओ!
ललित ललित, काले घुँघराले,
बाल कल्पना के-से पाले,
विद्युत-छबि उर में, कवि, नवजीवन वाले!
वज्र छिपा, नूतन कविता
फिर भर दो
बादल, गरजो!

To know about more useful books *click here*

(क) कवि बादलों से क्या आग्रह कर रहा है और क्यों?

(ख) बादलों का सौन्दर्य स्पष्ट करते हुए बताइए कि उनकी तुलना किससे की गई है?

(ग) कवि के अनुसार नूतन कविता कैसी होनी चाहिए?

उत्तर—

(क) कवि बादलों से गरजने का आग्रह कर रहे हैं क्योंकि बादलों का गरजना क्रांति लाने के रूप में दिखाया गया है। उनका मानना है कि बादल बदलाव लाने के प्रतीक हैं। वह बादलों से आग्रह कर रहे हैं कि वह सबके जीवन को नया बना दे एवं उसे खुशियों से भर दो।

(ख) बादलों की तुलना काले घुँघराले बालों से की गई है। कवि बादलों की तुलना बच्चों की कल्पना से भी करते हैं। बादल बड़े और काले हैं इसलिए उनकी तुलना ऊपर की गई चीजों से की गई है।

(ग) कवि के अनुसार नूतन कविता बादलों के समान यानि कि क्रांति एवं बदलाव लाने वाली होनी चाहिए एवं उनका मनुष्य के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ना चाहिए एवं लोगों के जीवन को नया बना देना चाहिए।

खण्ड–'घ'

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए— 10

(क) प्लास्टिक मुक्त भारत
- हानियाँ
- विकल्प क्या हो
- किए जा रहे प्रयास

(ख) आत्मविश्वास और सफलता
- आत्मविश्वास से तात्पर्य
- आत्मविश्वास सफलता के लिए क्यों आवश्यक
- अहंकार और आत्मविश्वास में अन्तर

(ग) मातृभाषा के प्रति अभिरुचि
- मातृभाषा से तात्पर्य
- घटती रुचि के कारण
- रुचि कैसे बढ़े

उत्तर—

अनु निबंध

आत्मविश्वास और सफलता

प्रस्तावना : आत्मविश्वास और सफलता का एक बहुत ही पुराना व गहरा रिश्ता है। आत्मविश्वास जहाँ-जहाँ है वहाँ-वहाँ सफलता है। सफलता पाने के कुछ जरुरी बिन्दु हैं जैसे मेहनत, त्याग, अनुशासन आदि परंतु यह सब कुछ व्यर्थ है अगर किसी भी मनुष्य में आत्मविश्वास नहीं है तो। आत्मविश्वास की कमी मनुष्य को ले डूबती है एवं उसे अपने पथ से भ्रमित कर देती है।

To know about more useful books *click here*

→ आत्मविश्वास से तात्पर्य : आत्मविश्वास दो शब्दों से मिलकर बना है आत्म एवं विश्वास। आत्म का अर्थ है खुद पर और विश्वास का अर्थ है भरोसा यानि कि स्वयं पर भरोसा। आत्मविश्वास सफलता की पहली सीढ़ी है। मनुष्य को अपनों पर भरोसा करना चाहिए परंतु सबसे ज्यादा भरोसा उसे स्वयं पर करना चाहिए। आत्मविश्वास की कमी बहुत लोगों में खलती है, क्योंकि लोग अपने आप को छोड़कर दूसरों पर भरोसा करते हैं। आत्मविश्वास जन्म से नहीं आता, उसे अपनी अंदर लाना पड़ता है और यह सिर्फ पूर्ण एवं सही ज्ञान से हो सकता है।

→ आत्मविश्वास सफलता के लिए क्यों आवश्यक : मान लीजिए कि आपने अपनी परीक्षा के लिए कड़ी मेहनत करी है, और आप एक प्रश्न का जवाब नहीं दे पा रहे हैं और आप भ्रमित हो गए हैं कि कौनसा उत्तर सही है? अगर ऐसी स्थिति में मनुष्य में आत्मविश्वास हो तो वह कठिन से कठिन जवाब का उत्तर दे सकता है। सोचिए अगर ऐडिसन को अपने ऊपर विश्वास ना होता तो क्या बल्ब का आविष्कार होता? अगर जेम्स वॉट को आत्मविश्वास ना होता तो क्या आज स्टीम इंजन होता? इस दुनिया में जितने भी सफल लोग हैं उन्हें अपने ज्ञान पर, अपनी कला पर, अपने आप पर पूरा विश्वास है तभी वह सफल हैं। अगर वह लोग अपने आस-पास के लोगों पर भरोसा करते तो आज शायद सफल नहीं होते। आत्मविश्वास के बगैर सारी मेहनत व्यर्थ है और आत्मविश्वास ही सफलता की ओर पहला कदम है।

→ अहंकार और आत्मविश्वास में अंतर : अहंकार और आत्मविश्वास में ज़मीन-आसमान का फर्क है। अहंकारी व्यक्ति अपने ज्ञान पर इतना अहंकार करता है कि वह गलत चीज़ को भी सही मानता है एवं दूसरों को नीचा दिखाने के लिए कुछ भी कर सकता है। परंतु आत्मविश्वासी व्यक्ति अपनी गलतियों को स्वीकारता है एवं दूसरों की सुनता है और उनकी मदद करता है एवं दूसरों के भले के बारे में सोचता है। अहंकारी व्यक्ति को लगता कि पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा ज्ञानी सिर्फ वही है और वह आगे बढ़ने की भी नहीं सोचता और अपने नाश का कारण स्वयं होता है इसके विपरीत आत्मविश्वासी व्यक्ति हमेशा ज्यादा से ज्यादा ज्ञान प्राप्ती की कोशिश करता है और अधिक सफलता प्राप्त करता है।

→ उपसंहार : आत्मविश्वास एक मनुष्य के जीवन में बहुत आवश्यक है, उसकी सफलता में उसका सबसे बड़ा हाथ होता है। इंसान को इस बात का सबसे ज़्यादा ध्यान रखना चाहिए कि उसका आत्मविश्वास अहंकार ना बन जाए जो स्वयं के लिए व दूसरों के लिए भी हानिकारक हो। आत्मविश्वास व्यक्ति को अपने अंदर लाना पड़ता है। यह ज्ञान से आता है। अगर आपको अपने ज्ञान व प्रतिभा पर भरोसा है तो इस दुनिया में कोई चीज नहीं है जो आप हासिल ना कर पाओ। अतः मैं यह कहना चाहूँगी कि आत्मविश्वासी राम बनो अहंकारी रावण नहीं।

12. बिजली विभाग के अधिकारी को बिजली बिल की शिकायत करते हुए लगभग 80-100 शब्दों में पत्र लिखिए। 5

अथवा

To know about more useful books *click here*

आप अंतर्विद्यालयी क्रिकेट के लिए अपने विद्यालय की टीम के कप्तान चुने गए हैं। इस आशय की सूचना देते हुए अपने पिताजी को लगभग 80-100 शब्दों में पत्र लिखिए। 5

पत्र

उत्तर— बंगला नं - 7 वायरलेस ऑफिस के पीछे
एस. ए. एफ रोड, कम्पू, ~~म~~
ग्वालियर, म.प्र.

दिनांक : 29/02/2020

सप्रेम नमस्ते!

मधुर स्मृतियाँ। पिताजी मैं यहाँ कुशल हूँ और आशा है कि आप और परिवार भी कुशल होंगे। आज मैं आपको एक ~~सुख~~ खुशखबरी देना चाहती हूँ। मुझे अंतर्विद्यालयी क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए स्कूल टीम का कप्तान चुना गया। यह सब सिर्फ आपकी और मेरी मेहनत के कारण हुआ। आपने हर कदम पर मेरा साथ दिया और मेरे क्रिकेट के प्रति लगाव को इतना बड़ा ~~कर दिया~~ कि आज अपनी टीम की ~~कप्~~ कप्तान हूँ। पिताजी जब मेरा इस पद के लिए नाम लिया गया तो मैं बहुत खुश हुई और सिर्फ आपकी याद आई कि आपकी वजह से ~~अ~~ मैंने अपने सपने का एक छोटा ~~सा हिस्सा~~ मगर महत्वपूर्ण हिस्सा पूरा कर लिया। मैं इसके लिए सदैव आपकी आभारी रहूँगी।

पिताजी आज के लिए बस इतना ही। भाई ~~म~~ को और माँ को मेरी ~~प्रणाम~~ प्यार देना एवं दादीजी को मेरा प्रणाम कहना और अपना ख्याल ~~रखना~~ रखना।

आपकी आज्ञाकारी बेटी
क. ख. ग

13. विद्यालय में वार्षिकोत्सव के अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा निर्मित हस्तकला की वस्तुओं की प्रदर्शनी के लिए एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में तैयार कीजिए। 5

अथवा

हेलमेट बनाने वाली एक कम्पनी के लिए एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में तैयार कीजिए। 5

उत्तर— प्र०13 विज्ञापन

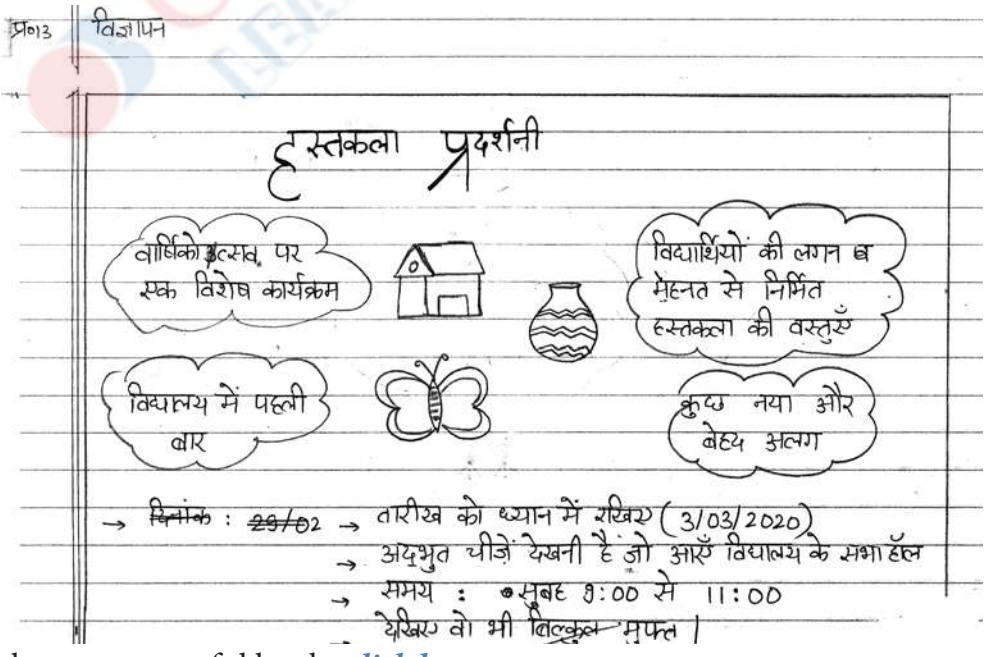

To know about more useful books *click here*